दूर से ही दूर कर देंगे कंप्यूटर की समस्या

कानपुर, हमारे संवाददाता : आईआईटी में चल रहे 1982 बैच के पूर्व छात्र संगमन में शामिल होने आये हैदराबाद के मनोज नायर ने कहा कि कंप्यूटर नेटवर्किंग में रिमोट तकनीकी से दूर बैठ कर किसी कंप्यूटर की समस्या हल की जा सकेगी। इसके लिए कंप्यूटर इंजीनियर को सिस्टम के पास जाने की जरूरत नहीं होगी।

श्री नायर ने कहा कि उनकी कंपनी कई राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को यह सुविधा उपलब्ध करा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में रोजगार की बढ़ती संभावनाएं देखते हुए उन्होंने कहा कि देश में विशेषज्ञों की कमी होती जा रही है। आईटी का इतनी तेजी से विकास हो रहा है कि हमने अभी से इस क्षेत्र के लिए विशेषज्ञ तैयार नहीं किये तो इस क्षेत्र में बहुत बड़ी समस्या सामने आ सकती है। मुंबई में स्टेटजी कंसल्टेंसी चलाने वाले रजनीश कार्मी ने कहा कि भविष्य की योजनाओं के क्रियान्वयन में काफी कठिनाईयां सामने आती हैं। जो समस्याओं से भयभीत नहीं होते वे और योजना के अनुरूप उसे अंजाम देते हैं वही मील का पत्थर रखेंगे। श्री कार्मी कई बड़ी सफल कंपनियों को सलाह दे रहे हैं।

दिल्ली के शरद अग्रवाल ने बताया कि वाहनों के लिए नये तरह का इंजन डिजाइन किया जा रहा है। इसकी खासियत यह होगी कि प्रयोग किया जाने वाला ईंधन पूरी तरह जल जाये जिससे प्रदूषण की समस्या पर काफी हद तक निजात पायी जा सकेगी।

1982 बैच के छात्रों ने स्थापित की चेयर

कानपुर, हमारे संवाददाता : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के 1982 बैच छात्रों ने शोध कार्यों को गति देने के लिए संस्थान में चालीस लाख से एक चेयर की स्थापना की। इतना ही नहीं बैच ने वर्ष 2011 तक पांच करोड़ गुरुदक्षिणा देने का भी संकल्प लिया। शोध के अलावा अलावा मेधावी बच्चों के प्रोत्साहन के लिए दो छात्रवृत्ति की भी घोषणा की।